खादी उत्सव साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि खादी को गांधी जी ने देश के स्वाभिमान का प्रतीक बनाया था। लेकिन आजादी के बाद उसी खादी को हीन भावना से देखा गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 254 दिनांक:28-08-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ঃ भारतीय टीम को जीत का दावेदार माना जा रहा है लेकिन आइसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले के नतीजे के बाद कुछ भी कहना मुश्किल है।

आठ साल में केवल खादी से पौने दो करोड़ नए रोजगार मिले : पीएम मोदी

- पीएम मोदी की देशवासियों से अपील- त्यौहारों में खादी ग्रामोद्योग में बनें उत्पाद ही भेंट में दें

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आठ साल के भीतर केवल खादी से पौने दो करोड़ रोजगार मिले हैं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत अहमदाबाद के रिवरफ्रंट पर आयोजित खादी महोत्सव में पीएम मोदी शामिल हुए और 7500 महिलाओं के साथ चरखा चलाया और कहा कि विश्व में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ 7500 महिलाओं ने चरखा चलाया हैं खादी उत्सव में शामिल महिलाओं ने सफेद साडी पर ट्राई कलर का वस्त्र पहन रखा थाँ खादी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साबरमती का यह किनारा आज धन्य हो गया हैं आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7500 बहन-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर नया इतिहास रच दिया हैं 8 वर्ष में केवल खादी से पौने दो करोड़ रोजगार मिले हैं खादी फोर नेशन और खादी फोर फैशन के संकल्प में अब खादी फोर ट्रांसफोर्मेशन का संकल्प भी शामिल कर लिया हैं देशभर में खादी से जुड़ी समस्याओं का निपटारा कर दिया गया है, जिसका परिणाम आज दुनिया देख रही हैं इस मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आनेवाले त्योहारों में इस बार खादी ग्रामोद्योग में बना उत्पाद ही उपहार में दें आप के पास अलग अलग तरह के फैब्रिक से बने कपड़े हो सकते हैं, लेकिन उसमें आप खादी को भी जगह देंगे, तो वोकल फोर लोकन अभियान को गति मिलेगीं पीएम मोदी ने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से मैंने पंच प्रणों की बात कही थीं साबरमती के तट पर इस पुण्य जगह पर मैं पंच प्रणों को फिर दोहराना चाहता हूँ पहला -देश के सामने विराट लक्ष्य, विकसित भारत बनाने का लक्ष्य, दूसरा – गुलामी की मानसिकता का पूरी तरह त्याग, तीसरा- अपनी विरासत पर गर्व, चौथा- राष्ट्र की एकता बढ़ाने का पुरजोर प्रयास और पांचवा – द्धछ्ठ७ कर्तव्यँ पीएम मोदी ने कहा कि खादी का इतिहास गवाह है कि खादी का एक एक धागा आजादी के आंदोलन की ताकत बन गयाँ उसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दियाँ खादी का वही धागा विकसित भारत के प्रण को पूरा करने का आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का प्रेरणा स्रोत बन सकता हैं पीएम मोदी आज साबरमती रिवरफ्रंट पर बने अटल फूट ब्रिज का भी उदघाटन कियाँ इस मौके पर मोदी ने कहा कि अटल ब्रिज साबरमती नदी के दो किनारों को ही आपस नहीं जोड़ रहा है, बल्कि ये डिजाइन और इनोवेशन में भी अभूतपूर्व हैं इसकी डिजाइन में गुजरात के मशहूर पतंग महोत्सव का भी ध्यान रखा गया हैं

पार्टी की खातिर, देश की खातिर राहुल गांधी से पार्टी का अध्यक्ष बनने के लिए कहूंगा : खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी की पार्टी अध्यक्ष के रूप में वापसी के लिए प्रयास करने की बात कही है। खड़गे ने कहा कि राहुल के अलावा पार्टी में उनके अलावा कोई ऐसा नहीं है, जिसकी देश भर में अपील हो। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पार्टी का नेतृत्व करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को पूरे देश में जाना जाना चाहिए और उस कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर व पश्चिम बंगाल से गुजरात तक समर्थन प्राप्त होना चाहिए। खड़गे ने कहा, वह (कांग्रेस अध्यक्ष को) पूरी कांग्रेस पार्टी में जाना-पहचाना, स्वीकृत व्यक्ति होना चाहिए। ऐसा (इस तरह के कद के साथ पार्टी में) कोई नहीं है।'

खड़गे ने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं ने सोनिया गांधी को पार्टी में शामिल होने और काम करने के लिए 'विवश' किया था और राहुल गांधी से सामने आने और लड़ने का अनुरोध कियाथा। उन्होंने पूछा, 'आप मुझे विकल्प बताएं। (राहुल गांधी के अलावा पार्टी में अन्य) कौन है?' इन खबरों पर कि राहुल गांधी पद संभालने को तैयार नहीं हैं, खड़गे ने कहा कि उनसे अनुरोध किया जाएगा। उन्हें पार्टी की खातिर, देश की खातिर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने और देश को एकजुट बनाए रखने के लिए कार्यभार संभालने के लिए कहा जाएगा।' खड़गे ने पार्टी की आगामी 'भारत जोड़ो यात्रा' का भी जिक्र कर कहा कि 'जोड़ो भारत के लिए राहुल गांधी की जरूरत है।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की तारीखों के कार्यक्रम को मंजूरी देने के लिए पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) रविवार को डिजिटल बैठक करेगी। सीडब्ल्यूसी की बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी करेंगी। कई नेता राहुल गांधी को फिर से पार्टी प्रमुख बनने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रोत्साहित कर रहे हैं। हालांकि, इस मुद्दे पर अनिश्चितता और रहस्य बरकरार है। पार्टी के कई अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी अपने रुख पर कायम हैं कि वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष नहीं बनने वाले हैं। 2019 में संसदीय चुनावों में पार्टी के लगातार दूसरी हार का सामना करने के बाद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। सोनिया ने अंतरिम अध्यक्ष के रूप में फिर से पार्टी की बागडोर संभाली। उन्होंने भी अगस्त 2020 में जी-23 नाम से जाने जाने वाले नेताओं के एक वर्ग की ओर से खुले विद्रोह के बाद पद छोड़ने की पेशकश की, लेकिन सीडब्ल्यूसी ने उनसे पद पर बने रहने का आग्रह किया था।

बिहार के भ्रष्ट इंजीनियर के घर करोड़ों का कैश बरामद, भारी मात्रा में गहने और अन्य कीमती सामान मिला

पटना (ईएमएस)। बिहार के ग्रामीण कार्य विभाग में तैनात कार्यपालक इंजीनियर के घर से करोड़ों का कैश बरामद हुआ है। निगरानी टीम ने कार्यपालक इंजीनियर संजय कुमार राय के किशनगंज और पटना स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान घर से करीब 5 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। इसके अलावा भारी मात्रा में गहने और अन्य कीमती सामान भी मिलने की संभावना है। नोटों की गिनती जारी है।

निगरानी टीम ने भ्रष्ट इंजीनियर राय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। शनिवार को उसके किशनगंज और पटना के दानापुर स्थित दो ठिकानों पर छापेमारी की गई। संजय राय किशनगंज प्रभाग में तैनात है। घर से इतनी ज्यादा मात्रा में नोट देखकर एकबार तो निगरानी टीम के अधिकारी भी चौंक गए।

बरामद की गई राशि करीब 5 करोड़ रुपये है। हालांकि नोटों की पूरी गिनती होने के बाद ही सटीक राशि के बारे में पता चलेगा। किशनगंज में संजय राय के आवास पर निगरानी के 14 अधिकारी मौजूद हैं। छापेमारी की कार्रवाई डीएसपी अरुण पासवान के नेतृत्व में की गई। कार्यपालक इंजीनियर संजय राय के कैशियर खुर्रम सुल्तान, निजी इंजीनियर ओम प्रकाश यादव के यहां भी कैश मिला है, जिसकी गिनती जारी है। डीएसपी ने बताया कि भारी मात्रा में कैश मिला है, मशीन से गिनती जारी है। अब तक 2 करोड़ से अधिक की गिनती हो चुकी है।

फीका के एआईएफएफ पर प्रतिबंध हटने के फैसले को केंद्रीय खेल मंत्री फुटबॉल प्रशंसकों की जीत बताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर लगे प्रतिबंध को हटाने के फैसले को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रशंसकों की जीत करार दिया। फीफा ने एआईएफएफ पर 11 दिन पहले 'तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव' के कारण लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है, इससे भारत को इस साल अक्टूबर में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की मंजूरी भी मिल गई है। ठाकुर के मंत्रालय ने फीफा और सुप्रीम कोर्ट के बीच समन्वय बिठाकर प्रतिबंध को हटाने में अहम भूमिका निभाई। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति (सीओए) का कार्यकाल समाप्त कर दिया था जो कि प्रतिबंध हटाने की पहली शर्त थी। ठाकुर ने ट्वीट किया, यह बात साझा करते हुए मैं प्रसन्न हूं कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने एआईएफएफ पर लगाया गया प्रतिबंध तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 से 30 अक्टूबर तक भारत में होगा। यह फुटबॉल प्रशंसकों की जीत है।''

फीफा ने 15 अगस्त को भारत पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्ट किया था कि इसका मतलब भारत अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी नहीं कर सकता है। लेकिन अब भारत का इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने का रास्ता साफ हो गया है। एआईएफएफ के चुनाव अब दो सितंबर को होगा, जिसमें दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भुटिया और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे अध्यक्ष पद के लिए आमने-सामने हैं। एआईएफएफ को 85 साल के उसके इतिहास में पहली बार प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीन सदस्य प्रशासकों की समिति (सीओए) को बर्खास्त कर दिया था जिससे प्रतिबंध हटाने का रास्ता साफ हो गया था।

सीओए की नियुक्ति मई में की गई थी ताकि भारत 11 से 30 अक्टूबर तक होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप का सुचारू रूप से मेजबानी कर सके। फीफा ने कहा, फीफा परिषद के ब्यूरो ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) तीसरे पक्ष के प्रभाव के कारण लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है,'' फीफा के यह पुष्टि प्राप्त करने के बाद कि एआईएफएफ कार्यकारी समिति की शक्तियों को ग्रहण करने के लिए स्थापित की गई प्रशासकों की समिति को भंग कर दिया गया है, यह फैसला किया गया।''

फीफा ने कहा,'' इसके परिणाम स्वरूप फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 से 30 अक्टूबर 2022 के बीच भारत में ही खेला जाएगा।'' विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि वह और एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) स्थिति पर निगरानी जारी रखेंगे और सही समय पर चुनाव कराने में एआईएफएफ की मदद करेंगे। एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने इस फैसले का स्वागत किया तथा फीफा, एएफसी और ठाकुर का उनकी भूमिकाओं के लिए आभार व्यक्त किया। धर ने कहा, ''भारतीय फुटबॉल का सबसे काला समय आखिरकार खत्म हो गया है।

कार्टून कोना

सोनाली को वश में करने सुधीर तांत्रिक का इस्तेमाल करता था

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोवा की अदालत ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता सोनाली फोगाट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों जिनमें से एक उनके पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। वहीं मामले में नया खुलासा हुआ है कि सोनाली को वश में रखने के लिए उनका पीए सुधीर तांत्रिक का इस्तेमाल करता था, इसके लिए उसने कई बार फार्म हाउस पर तांत्रिक को बुलाया था।

सोनाली के करीबी रहे ऋषभ बेनीवाल ने बताया कि आरोपी सुधीर सांगवान सोनाली को वश में रखने के लिए तांत्रिक का इस्तेमाल करता था, इसके लिए उसने कई बार फार्म हाउस पर तांत्रिक को बुलाया था। ऋषभ ने कहा कि सोनाली की बेटी यशोधरा को भी सुधीर से खतरा है, मेरी मौजूदगी में उसने सोनाली को बुरा बर्ताव किया था, उसके पास कुछ तो था जिससे सोनाली उसकी बात मानती थी। ऋषभ बेनीवाल ने बताया कि रोहतक में सुधीर सांगवान की क्रिमिनल फाइल है।

दशहरा मेला हाईजैक कर सकते हैं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा भी देगी साथ

- शिवसेना ने मुंबई नगर निगम से सभा की अनुमति लेने के लिए अर्जी दी

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना और दशहरा मेला का अटूट संबंध रहा है। इस अवसर पर दादर के शिवाजी पार्क मैदान में आयोजित होने वाली शिवसेना की रैली में राज्य के कोने-कोने से शिवसैनिक शामिल होते हैं। इस साल 5 अक्टूबर को आने वाले दशहरा के दिन उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट के बीच जारी लड़ाई के बीच यह रैली होगी। उससे पहले यह रस्साकशी शुरू हो गई है कि वास्तव में शिवाजी पार्क मैदान में दशहरा सभा किसे आयोजित करनी चाहिए। शिवसेना ने मुंबई नगर निगम से सभा की अनुमति लेने के लिए अर्जी दी है। खबर आ रही है कि फिलहाल नगर निगम ने इजाजत देने से मुंह मोड़ लिया है। इसके साथ ही इस बात की संभावना प्रबल हो गई है कि एकनाथ शिंदे का गुट भी इसमें दिलचस्पी ले रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना में बगावत के बाद उद्धव ठाकरे का गुट और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गुट असली शिवसेना को लेकर लड़ रहा है। शिवसेना के 40 से अधिक विधायकों को अपने पाले में करने के बाद शिंदे ने शिवसेना पर दावेदारी को लेकर मुकदमा कर दिया है। यह विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पार्टी पर दावा जताने के लिए दोनों गुटों के पदाधिकारियों के हलफनामे एकत्र किए जा रहे हैं।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को राहत शिविर में भेजा गया

पीएम मोदी लगातार अधिकारियों से फोन पर ले रहे जानकारी

वाराणसी (ईएमएस)। वाराणसी में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। जिससे गंगा और वरुणा नदी के तटवर्ती इलाकों में आम जन जीवन प्रभावित हुआ है। घरों में बाढ़ का पानी घुसने से तटवर्ती क्षेत्रों के हजारों लोग राहत शिविरों में शरण लिए हैं। इस बीच, शनिवार को राज्य के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। जिले में अब तक 228.69 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, शनिवार सुबह 10 बजे तक गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 71.26 मीटर को पार करते हुए 71.50 मीटर पर पहुंच गया, जिससे गंगा और वरुणा के घाटों के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में पानी घुस चुका है और हजारों लोगों का जन जीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा के बढ़ते जल स्तर और बाढ़ पीड़ितों के विस्थापन को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को फोन कर राहत शिविरों में रह रहे लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 18 राहत शिविरों में बाढ़ प्रभावित शरण लिए हैं, उनके रहने, खाने-पीने का बंदोबस्त किया गया है।

परशुपुर गांव के लगभग 15 बीघा धान का फसल पानी में डूब चुका है और खेतों में यदि कुछ दिन पानी लगा रहा, तब फसल खराब हो जाएगी। बाढ़ के पानी से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। यूपी के जल शक्ति एवं वाराणसी मंडल के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल एवं जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के साथ बाढ़ राहत शिविर का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान सिंह ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों को दूध के पैकेट एवं खाद्य सामग्री के साथ-साथ बच्चों को केला, बिस्कुट एवं दूध के पैकेट उपलब्ध कराए। उपजिलाधिकारी सदर हंसिका दीक्षित ने बताया कि वाराणसी सदर के 68 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। कुल 18 राहत शिविरों में अब तक 10104 बाढ़ पीड़ित शरण लिए हैं और उनके रहने खाने-पीने की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की टीम लगातार बाढ़ग्रस्त इलाको में गस्त कर रही है और वहां फंसे लोगों की सहायता की जा रही है। बाढ़ में फंसे लोगों को राहत सामग्री और चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ ही महिलाओं को ''डिग्निटी किट'' जिसमें सैनिट्री किट के साथ साबुन इत्यादि वितरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गंगा में बढ़ते जल स्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और तैयार है।

कुछ खेत पानी में डूब चुके हैं, अगर गंगा का जलस्तर कुछ दिनों में घटने लगता है, तब खेत से पानी निकल जायेगा और फसल को नुकसान नहीं पहुंचेगा। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले में गंगा और वरुणा की बाढ़ से नगर निगम के 18 वार्ड और लगभग 80 से ज्यादा गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले में अब तक 228.69 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। जनपद में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 18 राहत शिविर क्रियाशील हैं, जिनमें बाढ़ पीड़ितों को भोजन-पानी के साथ ही चिकित्सकीय सुविधा भी उपलब्ध करायी जा रही है। वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी संदीप चौधरी ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 40 मेडिकल टीम का गठन किया गया है।

ऊर्जा की कमी पूरा करने कृषि क्षेत्र का विविधीकरण बिजली क्षेत्र में करने की जरूरत : गडकरी

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऊर्जा की कमी का सामना कर रहे भारत को अपने कृषि क्षेत्र का विविधीकरण ऊर्जा एवं बिजली क्षेत्रों में भी करने की जरूरत है। गडकरी ने यहां आयोजित नेशनल कोजनरेशन अवार्ड 2022 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हर साल बड़ी राशि आयात पर खर्च करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, 'हम हर साल पेट्रोल, डीजल एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 15 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। ऐसे में अब समय आ गया है कि हम कृषि क्षेत्र का विविधीकरण ऊर्जा एवं बिजली क्षेत्र की तरफ भी करें।' उन्होंने उद्योग जगत से वैकल्पिक ईंधनों पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि भविष्योन्मुख प्रौद्योगिकी की सहायता से कृषि क्षेत्र का विविधीकरण किया जा सकता है।

गडकरी ने कहा, 'हमारी 65-70 प्रतिशत आबादी कृषि पर ही निर्भर है लेकिन हमारी कृषि वृद्धि दर सिर्फ 12-13 प्रतिशत है। अगला कदम सह-उत्पादन का होना चाहिए ताकि चीनी से मिलने वाले राजस्व को बढ़ाया जा सके। उद्योग को कम चीनी और अधिक उप-उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए जिसमें भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकी के लिए दृष्टिकोण और ज्ञान को पूंजी में बदलने वाला नेतृत्व भी हो।' उन्होंने कहा कि इस साल के लिए देश को 280 लाख टन चीनी के उत्पादन की ही जरूरत थी लेकिन 360 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिक चीनी उत्पादन के बजाय एथेनॉल पैदा करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही उद्योग जगत को एथेनॉल की मांग बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान देना चाहिए।

गडकरी ने कहा कि सरकार ने देश में फ्लेक्स ईंधन से चलने वाले इंजन लाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'बजाज, हीरो और टीवीएस जैसी वाहन कंपनियां पहले से ही फ्लेक्स इंजन बना रही हैं और कई कार कंपनियों ने भी फ्लेक्स इंजन से चलने वाले मॉडल लाने का वादा किया है।' उन्होंने कहा कि ऑटोरिक्शा को भी बायो-एथेनॉल से चलाया जा सकता है। इसके अलावा निर्माण क्षेत्र के उपकरण भी वैकल्पिक ईंधन से चलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जर्मनी ने बायो-एथेनॉल से ट्रेन के संचालन वाली प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया है। इसके अलावा बेहद परिष्कृत एथेनॉल का इस्तेमाल विमानन उद्योग में भी किया जा सकता है। वैमानिकी उद्योग इसके इस्तेमाल के तरीके तलाशने में जुटा हुआ है।'

सीडब्ल्यूसी की अहम बैठक आज, अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम को दी जाएगी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। संगठन को मजबूत करने की कवायद के चलते कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की आज रविवार को अहम बैठक होगी, जिसमें पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से जुड़े कार्यक्रम को मंजूरी दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस ऑनलाइन बैठक में अध्यक्ष के चुनाव के विस्तृत कार्यक्रम को स्वीकृति देने के साथ ही सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास प्रकट किया जा सकता है। यह गुलाम नबी आजाद के पार्टी से इस्तीफे के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा। आजाद ने शुक्रवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था और आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेतृत्व आंतरिक चुनाव के नाम पर धोखा दे रहा है। उन्होंने राहुल गांधी पर 'अपरिपक्व और बचकाने' व्यवहार का आरोप भी लगाया था।

कांग्रेस ने उन पर पलटवार करते हुए पार्टी को धोखा देने का आरोप लगाया था और कहा था कि उनका 'डीनएन मोदी-मय' हो गया है। सीडब्ल्यूसी की इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले कांग्रेस सूत्रों ने यह भी बताया कि अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा होने में पहले से निर्धारित कार्यक्रम के मुकाबले कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है, क्योंकि पार्टी का ध्यान इस समय 'भारत जोड़ो यात्रा' पर केंद्रित है तथा कुछ राज्य इकाइयां जरूरी औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाई हैं। पिछले साल सीडब्ल्यूसी ने जिस कार्यक्रम को मंजूरी दी थी, उसके मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच पूरी की जानी थी।

सीडब्ल्यूसी ने पिछले साल फैसला किया था कि ब्लॉक कमेटियों के लिए चुनाव 16 अप्रैल से 31 मई तक होंगे, जिला कमेटियों के अध्यक्षों के चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच कराए जाएंगे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्यों के चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त के बीच एवं एआईसीसी अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि प्रक्रिया में कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है और अक्टूबर में पार्टी को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जाना चाहिए। कांग्रेस इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' की तैयारी कर रही है। इस यात्रा के दौरान करीब पांच महीने में दक्षिण में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यह 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। साथ ही विभिन्न राज्यों में छोटे स्तर पर 'भारत जोड़ो यात्राएं' निकाली जाएंगी।

सीडब्ल्यूसी की बैठक ऐसे समय होगी, जब सोनिया चिकित्सा चिकित्सा जांच के लिए विदेश में हैं। उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी गए हैं। सूत्रों ने बताया कि ये तीनों शीर्ष नेता सीडब्ल्यूसी की ऑनलाइन बैठक में भाग लेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई नेता सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालने की अपील कर रहे हैं, हालांकि इस मुद्दे पर अनिश्चितता बरकरार है। कुछ पार्टी नेताओं की माने तो राहुल गांधी अपने इस रुख पर कायम हैं कि वह कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेंगे।

गहलोत ने बुधवार को इन खबरों को खास तवज्जो नहीं दी थी कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के सबसे प्रमुख दावेदार हैं। उन्होंने कहा था कि अंतिम क्षण तक राहुल गांधी को पार्टी की कमान दोबारा संभालने के लिए मनाने का प्रयास किया जाएगा। गहलोत की यह टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद आई थी। मुलाकात के बाद यह चर्चा शुरू हो गई थी कि इसमें गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाने पर चर्चा हुई होगी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी पार्टी की कमान संभाल रही हैं।

सीजेआई यूयू ललित ने शपथ ग्रहण के बाद मंच से उतरकर छुए पिता के पैर, खूब बची तालियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत नए प्रधान न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित ने सुप्रीम कोर्ट के 49वें सीजेआई के तौर पर शनिवार को शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद चीफ जस्टिस ने राष्ट्रपति और वहां उपस्थित सभी लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए, तालियां बजीं और एक बार फिर उन्होंने राष्ट्रपति को प्रणाम किया। इसके बाद जस्टिस ललित मंच से उतरे और सीधे पहली पंक्ति में एक कोने में बैठे अपने पिता सीनियर एडवोकेट यूआर ललित के पैर छुए। यह दृश्य देख राष्ट्रपति भवन में तालियां गूंजने लगीं। उन्होंने अपने परिवार के दूसरे सदस्यों का भी पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

जस्टिस ललित का कार्यकाल 74 दिन होगा। वह आठ नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। उनके बाद सबसे सीनियर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनेंगे। जस्टिस ललित को 2014 में सीधे बार से सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनाया गया था। इससे पहले 1971 में जस्टिस एस एम सिकरी पहले चीफ जस्टिस थे, जो सीधे बार से आए थे। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति राम नाम कोविंद, कानून मंत्री किरण रिजिजू समेत अन्य विशिष्ट लोग मौजूद थे।

जस्टिस ललित का जन्म 9 नवंबर 1957 को हुआ था। वह महाराष्ट्र से हैं उन्होंने वकालत की शुरुआत 1983 में बॉम्बे हाई कोर्ट से की। बाद में 1986 में दिल्ली शिफ्ट हो गए। वह क्रिमिनल मामले में बेहतरीन वकील में शुमार थे। 2 जी केस में उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल पीपी 2011 में बनाया गया था। 13 अगस्त 2014 को उन्हें बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्त किया गया था।

जस्टिस ललित ने अयोध्या मामले में सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था क्योंकि वह बाबरी विध्वंस केस में कल्याण सिंह के लिए कंटेप्ट केस में पेश हुए थे। तीन तलाक को गैर संवैधानिक करार देने वाले संवैधानिक बेंच के जस्टिस ललित पार्ट थे। साथ ही हाल में बॉम्बे हाई कोर्ट के पोक्सो मामले में स्किन टू स्किन से संबंधित विवादित फैसले को उन्होंने पलट दिया था। चीफ जस्टिस ललित ने कहा था कि वह तीन मुख्य बदलाव करेंगे जिनमें लिस्टिंग सिस्टम में पारदर्शिता लाएंगे। संबंधित बेंच के सामने अर्जेंट मामले की सुनवाई के लिए केस उठाए जाने का सिस्टम रखेंगे साथ ही एक संवैधानिक बेंच हमेशा बैठेगी जो संवैधानिक मामलों की सुनवाई सालों भर करेगी।

सियासी संकट के बीच मौज मस्ती के बाद हेमंत सोरेन विधायकों के साथ रांची लौटे

रांची । झारखंड में पल-पल सियासी परिदृश्य बदल रहा है। मुख्यमंत्री के आवास से निकला विधायकों का काफिला मौज मस्ती के बाद शाम छह बजे रांची लौट आया है। यह विधायक छत्तीसगढ़ नहीं गए हैं। झारखंड के खूंटी जिले के लतरातू डैम में मौज मस्ती करने गए थे। वहां इन्होंने भोजन किया। डैम में मुख्यमंत्री के साथ बोटिंग की। इससे पहले दोपहर में खबर आई थी कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने विधायकों को तीन बसों में भर कर छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। यह अटकलें शाम छह बजे निराधार साबित हुईं। इससे पहले दोपहर में जब मुख्यमंत्री अपने विधायकों को लेकर बस से रवाना हुए थे तो उनकी सेल्फी भी मीडिया में वायरल हुई थी।

हेमंत सोरेन अपने विधायकों के साथ अपराह्न साढ़े तीन बजे तक डूमरगढ़ी गेस्ट हाउस लतरातू डैम पहुंचे। तीन बड़ी बसों और दर्जनों छोटी गाड़ियों से सभी नेता भी यहां पहुंचे। खूंटी जिले के इस लतरातू डैम पर बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात थे। यहां मुख्यमंत्री ने अपने विधायकों के साथ खूब मस्ती की। बस से रवाना होते समय जब दैनिक जागरण के संवाददाता ने विधायक उमाशंकर अकेला को फोन कर पूछा कि आप लोग कहां जा रहे हैं? लगातार आ रहे फोन काल से गुस्से में कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा- बाघा बॉर्डर जा रहा हूं।

दोपहर में दैनिक जागरण संवाददाता ने जब कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम से बात की तो उन्होंने कहा- डंके की चोट पर कह रहा हूं कि सभी विधायक शाम में रांची में ही रहेंगे। उधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि शाम में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रांची आ रहे हैं। उन्हें रिसीव करने के लिए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। कोई कहीं नहीं जा रहा है। मालूम हो कि राजेश ठाकुर भी विधायकों के साथ बस में थे। उन्होंने विधायकों की कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया में साझा की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा अचानक विधायकों को बाहर ले जाने संबंधित कार्यक्रम के कारण ही ऐसी आशंका पैदा हुई कि झारखंड में विधायकों की कहीं तोड़फोड़ तो नहीं होने वाली है। दरअसल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक रोज पहले दावा किया था कि हेमंत सोरेन के पास सिर्फ 36 विधायक ही हैं। कयामत तक वह शेष विधायकों का प्रबंध नहीं कर पाएंगे। यह दावा उन्होंने झामुमो के इस दावे पर किया था कि उनके पास 50 विधायकों का समर्थन पत्र है।

दरअसल, सुबह हुआ यह कि मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश करते समय कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय की गाड़ी की डिक्की खुल गई। इसमें अटैची और पानी के ढेर सारे बोलत नजर आई। मीडिया वालों ने विधायक से इसके बारे में पूछताछ करनी शुरू कर दी। इसपर विधायक दीपिका पांडेय नाराज भी हो गईं। इसके बाद यह सूचना आने लगी कि कांग्रेस और झामुमो के विधायकों को पूरी तैयारी के साथ मुख्यमंत्री आवास बुलाया गया है। चुनाव आयोग का फैसला आने के बाद इन विधायकों को जरूरत पड़ने पर छत्तीसगढ़ ले जाया जा सकता है।

मालूम हो कि शुक्रवार को भाजपा सांसद डा निशिकांत दुबे ने टवीट कर कहा था कि झामुमो और कांग्रेस के विधायक छत्तीसगढ़ पहुंचाए जा रहे हैं। लेकिन देर शाम तक ऐसी कोई कवायद हेमंत सोरेन की ओर से नहीं देखी गई। रात को मुख्यमंत्री आवास पर सभी विधायक भोजन के लिए पहुंचे। उनकी बैठक भी होती रही। आज शनिवार सुबह कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने भी दावा किया था कि कोई विधायक कहीं नहीं जा रहा है। सभी विधायकों को रांची में रहने के लिए कहा गया है। बाहर ले जाने संबंधित अफवाह के कारण सभी दोनों पार्टी के नेता परेशान हैं।

जन हितैषी

रोहिंग्या से परेशान बांग्लादेश

बांग्लादेश रोहिंग्या शरणार्थियों के चलते इन दिनों काफी मुश्किल में है। साल 2017 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद बड़ी संख्या में रोहिंग्या मुसलमान भागकर बांग्लादेश पहुंच गए। वैसे, 1970 के दशक से ही वे वहां आते रहे हैं, लेकिन 2010 का दशक मानो इनकी लहर लेकर आया था। तब शेख हसीना सरकार ने खुले दिल से उनका स्वागत भी किया था। मगर अब जहां बांग्लादेश में इनकी आबादी काफी तेजी से बढ़ रही है, वहीं इनसे जुड़े अपराधों में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। नतीजतन, प्रधानमंत्री हसीना को कहना पड़ा है कि रोहिंग्या उनके यहां आपराधिक व सामाजिक समस्याएं बढ़ा रहे हैं। उधर, रोहिंग्या शरणार्थी भी सड़कों पर उतर आए हैं। वे म्यांमार वापस भेजे जाने की अपनी पुरानी मांग को लेकर फिर मुखर हैं। हालांकि, उनकी घर वापसी फिलहाल काफी कठिन दिख रही है। म्यांमार अब भी लोकतंत्र से दूर है, और वहां सैन्य शासक उसी मजबूती से काबिज हैं, जिस सख्ती से उन्होंने रोहिंग्या मुसलमानों का दरबदर किया था। फिर, बौद्धों के साथ रोहिंग्या का सामाजिक तनाव भी कम नहीं हो सका है। जाहिर है, यह मसला बहुत पेचीदा है। शेख हसीना इसके खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में अर्जी लगा चुकी हैं और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) का दरवाजा भी खटखटा चुकी हैं। वह शरणार्थियों को अंतरराष्ट्रीय सहायता देने के साथ-साथ म्यांमार वापस भेजे जाने की पुरजोर वकालत करती रही हैं, जिसके कारण म्यांमार के साथ उनके रिश्ते भी खराब रहे। मगर नतीजा अब तक सिफर रहा है। बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की सख्या बढ़कर 10 लाख हो चुकी है। ये मूलतः चटगांव व इसके आसपास के इलाकों में बसे हुए हैं। बांग्लादेश की हुकूमत ने इनके रहने के लिए अलग से भासन चार द्वीप पर भी व्यवस्था की है, जिसके लिए वहां ढांचागत निर्माण-कार्य करवाए गए हैं। शुरू-शुरू में तो रोहिंग्या शरणार्थियों ने इस पर आपत्ति की, पर अब वे वहां बसने लगे हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के लिए बांग्लादेश आना (या भागना) इसलिए आसान रहा, क्योंकि म्यांमार से लगी इसकी सीमा कुछ हद तक खुली हुई है। दोनों देश करीब 270 किलोमीटर की सीमा-रेखा साझा करते हैं, जो काफी हद तक घने जंगलों व नफ नदी में बंटी हुई है। लगभग 210 किलोमीटर पर ही बाड़ लगाना संभव हो सका है। बांग्लादेश का मानना है कि रोहिंग्या मुसलमान जरूर हैं, पर वे बांग्लादेशी नहीं हैं, जबकि म्यांमार का तर्क है कि बांग्लादेश से आकर ही रखाइन प्रांत में उन्होंने अपना ठिकाना बनाया था। इनको अपने यहां से खदेड़ने के लिए म्यांमार की सैन्य हुकूमत ने इन पर खूब अत्याचार किए थे। रोहिंग्या मुसलमानों के अराजक होने की एक बड़ी वजह पाकिस्तान है। समस्या भारत के लिए भी है। बांग्लादेश छोटा-सा मुल्क है। वहां आबादी काफी सघन है। चूंकि उसके साथ लगी हमारी सीमा तुलनात्मक रूप से शांत है, इसलिए माना जाता है कि तमाम कोशिशों को बाद भी कुछ रोहिंग्या घुसपैठ में सफल हो जाते हैं। दिक्कत यह है कि इनकी आमद के साथ आपराधिक व कट्टरवादी तत्व भी हमारे समाज में दाखिल हो जाते हैं। चूंकि रहन-सहन, भाषा, खान-पान, पहचान जैसे मामलों में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों में फर्क करना मुश्किल होता है, इसलिए हमारे सीमावर्ती राज्यों को केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त प्रयास करते रहना होगा। हमारी यह भी कोशिश है कि रोहिंग्या लोगों को पहचानकर उनको वापस भेज दिया जाए।

गुलाम नबी: सोनिया बचाए कांग्रेस को

कश्मीरी नेता गुलाम नबी आजाद का कांग्रेस को छोड़ देना कोई नई बात नहीं है। उनके पहले शरद पवार और ममता बेनर्जी जैसे कई नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं लेकिन गुलाम नबी का बाहर निकलना ऐसा लग रहा है, जैसे कांग्रेस का दम ही निकल जाएगा। कांग्रेस के कुछ छोटे-मोटे नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के मोदीकरण की बात कही है, जो कुछ हद तक सही है, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने बेहद भावुक होकर गुलाम नबी को राज्यसभा से विदाई दी थी। लेकिन कई अन्य कांग्रेसी नेताओं की तरह गुलाम नबी आजाद भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे अपनी पार्टी बनाएंगे, जो जम्मू-कश्मीर में ही सक्रिय रहेगी। वे कोई अखिल भारतीय पार्टी नहीं बना सकते। जब शरद पवार और ममता बेनर्जी नहीं बना सके तो गुलाम नबी के लिए तो यह असंभव ही है। यह हो सकता है कि वे अपने प्रांत में भाजपा के साथ हाथ मिलाकर चुनाव लड़ लें। सच्चाई तो यह है कि पिछले लगभग 50 साल से कांग्रेस एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम कर रही है। कांग्रेस की देखादेखी सभी पार्टियां उसी ढर्रे पर चल पड़ी है। भाजपा भी उसका अपवाद नहीं है। गुलाम नबी आजाद वास्तव में अब आजाद हुए हैं। उन्होंने नबी की गुलामी कितनी की है, यह तो वे ही जानें लेकिन इंदिरा गांधी, संजय गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी की गुलामी में उनका पूरा राजनीतिक जीवन कटा है। मुझे खूब याद है, कांग्रेस में गुलाम-संस्कृति की! जब मेरे अभिन्न मित्र नरसिंहरावजी प्रधानमंत्री थे और मैं उनसे मिलने जाया करता था तो मेरे पिताजी की उम्रवाले कुछ मंत्री और गुलाम नबी जैसे मंत्री भी खड़े हो जाते थे और तब तक कुर्सी पर नहीं बैठते थे, जब तक कि मैं न बैठ जाऊं। गुलाम नबी, जो आज आजादी का नारा लगा रहे हैं, संजय गांधी के साथ उनके रिश्तों पर अन्य कांग्रेसी नेताओं की टिप्पणियां पढ़ने लायक हैं। जो नेता गुलाम नबी की निंदा कर रहे हैं, उनके दिल में भी एक गुलाम नबी धड़क रहा है लेकिन बेचारे लाचार हैं। राहुल गांधी के बारे में गुलाम नबी की टिप्पणियां नई नहीं हैं। देश की जनता और सारे कांग्रेसी पहले से वह सब जानते हैं। गांधी, नेहरु, पटेल और सुभाष बाबू की कांग्रेस अब नौकर-चाकर कांग्रेस (एन.सी. कांग्रेस) बन गई हैं। अब यदि अशोक गहलोत या कमलनाथ या चिदंबरम या किसी अन्य को भी कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया जाए तो वह क्या कर लेगा? यह एक शेर उस पर भी लागू होगा- ''इश्के-बुतां में जिंदगी गुजर गई मोमिन, अब आखिरी वक्त क्या खाक़ मुसलमां होंगे?'' अब कांग्रेस को यदि कोई बचा सकता है तो वह एकमात्र सोनिया गांधी ही हैं। वे अपने बेटे को गृहस्थी बनाएं और अपनी बेटी को अपना गृहस्थ चलाने को कहें और पार्टी में ऊपर से नीचे तक चुनाव करवाकर खुद भी संन्यास ले लें। कांग्रेस की देखादेखी भारत की सभी पार्टियां 'ऊर्ध्वमूल' बन गई हैं याने उनके जड़ें छत में लगी हुई हैं। सोनियाजी यदि कांग्रेस को 'अधोमूल' बनवा दें याने उसकी जड़ें फिर से ज़मीन में लगवा दें तो भारत के लोकतंत्र की बड़ी सेवा हो जाएगी। (लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

28 अगस्त 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	सिंह में
चंद्र	सिंह में
मंगल	वृष में
बुध	कन्या में
गुरु	मीन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मकर में
राहु	मेष में
केतु	तुला में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	07.10 बजे से
तुला	09.20 बजे से
वृश्चिक	11.35 ब.से
धनु	13.51 बजे से
मकर	15.56 बजे से
कुंभ	17.43 बजे से
मीन	19.16 बजे से
मेष	20.46 बजे से
वृष	22.26 बजे से
मिथुन	00.24 बजे से
कर्क	02.38 बजे से
सिंह	04.54 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 240 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 14.46 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.56 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 01.44 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 14.46 बजे तदनन्तर बालव 03.06 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 00.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 47' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871354 **जूलियन दिन** 2459819.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन, तान्हा पोला, मुहर्रम समाप्त।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक	चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक	रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक	काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जल से ही पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व हैं

हमारी पृथ्वी का एक तिहाई हिस्सा जल से घिरा हुआ है। इसके बावजूद भी जगह जगह पर लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। कई जगह पानी की पहुंच इतनी ज्यादा है कि लोग उसे आंख मूंदकर बर्बाद करते हैं तो कई जगह प्यास बुझाने के लिए ही पानी नसीब नहीं है। यहीं कारण है कि दुनिया के अधिकांश लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ता है। लोगों में पानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हरेक वर्ष विश्व जल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ताकि लोग पानी की कीमत को समझ सकें। विश्व के हर नागरिक को इसके महत्व से अवगत कराने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल दिवस मनाने की शुरुआत की थी। विश्व जल दिवस के लिए इस वर्ष का प्रसंग था 'वैल्यूइंग वाटर' या पानी का महत्व ।

यानी लोगों के लिए पानी का क्या मतलब है। यह कितना कीमती है और हम इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा कैसे कर सकते हैं, ताकि आगे आने वाली पीढ़ियों को भी साफ पानी मिल सके। पानी ही जीवन का आधार है जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता है। जिस तरह से अब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है उससे साफ है कि भविष्य में संकट और गहरा सकता है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या तथा जल स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन की वजह से भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम पानी का महत्व को समझे और इसे बर्बाद होने से बचाए।

लिहाजा, पूरे विश्व में साफ पानी का धनी देश ब्राजील को माना जाता है। ब्राजील में 8647 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। विश्व में पानी की उपलब्धता को लेकर भारत का आठवां स्थान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत विश्व के कुल भूजल का 24 फीसदी इस्तेमाल करता है। कई महानगरों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है। वही इजरायल जैसा अल्प वर्षा वाला देश जल संधारण का सबसे बड़ा उदाहरण है। जिससे सामान्य वर्षा वाले देशों को जल संरक्षण और संवर्धन की सीख लेने की निहायत जरूरत है।

गौरतलब, पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका पृथ्वी का 71 प्रतिशत भाग जल से घिरा हुआ है, 29 फीसदी भाग पर स्थल है। इस 29 प्रतिशत क्षेत्र पर ही इंसान और दूसरे प्राणी रहते हैं। कुल पानी का लगभग 97 फीसदी पानी समुद्र में पाया जाता है, लेकिन खारा होने के कारण इस पानी को पीने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सिर्फ तीन प्रतिशत पानी ही पीने लायक है, जो ग्लेशियर, नदी, तालाबों में पाया जाता है। इस तीन फीसदी पानी में भी 2.4 फीसदी हिस्सा ग्लेशियरों, दक्षिणी ध्रुवों पर जमा है, जबकि बचा हुआ 0.6 फीसदी पानी नदी, तालाबों, झीलों और कुओं में मौजूद है। जिसका हम उपयोग कर सकते हैं, इसलिए हमें जल को बचाना चाहिए। इसकी एक बूंद बूंद बहुत कीमती है, इसे व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए, बल्कि उपलब्ध और बरसाती जल को संजोकर भविष्य के लिए सुरक्षित रखना चाहिए।

वस्तुतः पानी हमारे रोजमर्रा के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है और पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व ही जल से है। पृथ्वी पर मौजूद कुल पानी का लगभग ढाई प्रतिशत ही मीठा पानी है और बढ़ती जनसँख्या और पानी के व्यर्थ उपयोग के कारण मीठे पानी की कमी अब नजर आने लगी है। जल संकट एक ऐसी स्थिति है जहां किसी क्षेत्र के भीतर उपलब्ध पीने योग्य, अप्रदूषित पानी उस क्षेत्र की मांग से कम हो जाता है। भूजल पृथ्वी पर मीठे पानी का सबसे बड़ा स्त्रोत है जो हमारे जीवन को समृद्ध करता है। हालांकि, सतह के नीचे संग्रहीत होने के कारण, इसे अक्सर अनदेखा किया जाता है। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन बदतर होता जाएगा, भूजल अधिक से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। हमें इस बहुमूल्य संसाधन को स्थायी रूप से प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। सचेत भूजल मेघ से बाहर हो सकता है, लेकिन यह मेधा से बाहर नहीं होना चाहिए। भूजल को प्रदूषण से बचाना चाहिए और लोगों और खुद की जरूरतों को संतुलित करते हुए इसका स्थायी रूप से उपयोग करना चाहिए। तभी जल हमें और हमारे कल को बचाएंगा। आखिर! यह हमारी आने वाली पीढ़ी की अनमोल धरोहर है। इसे सार-संभाल कर रखने की जिम्मेदारी हमें ही मिलकर निभानी होगी। अन्यथा जल बिन सब सुन! (लेखक- हेमेन्द्र क्षीरसागर / ईएमएस) (पत्रकार व स्तंभकार)

समय का सच : क्या लोकतंत्री व्यवस्था से जनविश्वास खत्म हो रहा है..?

भारत अपनी आजादी का एक ओर जहां अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं वक्त की सच्चाई यह भी है कि आजादी के बाद की राजनीतिक व्यवस्था व देश के कर्णधार राजनेतओं की चाल-चलन देश में जारी मौजूदा लोकतंत्री व्यवस्था के प्रति जनविश्वास व आस्था को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है.... और कोई आश्चर्य नहीं की इसी सदी के दौर में भारत का भविष्य खतरे में नजर आने लगे। इस स्थिति का एकमात्र कारण हमारे देश के पिछले पचहत्तर सालों में आजादी के प्रति नासमझी है, आजादी का अर्थ सिर्फ और सिर्फ स्वार्थ सिद्धी व लूट से ही अब तक जोड़ा गया, किसी ने भी (नेहरू से लेकर मोदी तक) आज तक देश की चिंता नहीं की, मेरा मतलब व्यक्तिगत रूप से नेहरू या मोदी से नहीं है, बल्कि उनकी अब तक की सरकार चलाने वाले देश के कथित खैवनहारों से है, जिन्होंने ईमानदारी, समर्पण व निष्ठा भाव से देश की सेवा नहीं की, आज प्रजातंत्र का प्रमुख अंग न्यायपालिका के साथ पूरा देश इसी मसले पर गंभीर रूप से चिंतित है, स्वार्थ, भ्रष्टाचार, हिंसा व चरित्र हनन शीर्ष स्तर पर है, पूरे देश में हर स्तर की लूटमार जारी है.... और परेशान है तो सिर्फ और सिर्फ बैचारा आम नागरिक, जिसे अपने परिवार से पहले देश की चिंता सता रही है।

आज के प्रजातंत्र का नजारा देखिए.... एक ओर जहां देश की न्याय पालिका सरकारों पर काबिज होने के लिए राजनीतिक दलों के मुफ्तखोरी के वादों को लेकर चिंतित है तो दूसरी ओर जो नेता जनता के भाग्यविधाता बन बैठे है वे उन्हें सरकार द्वारा दी जा रही जन कल्याण व विकास की राशि ही खर्च नहीं कर पा रहे है, वह आधी-अधूरी राशि पुनः सरकारी खजाने में जमा हो रही है, इसका तथ्य इसी से उजागर होता है कि आधा दर्जन राज्यों के दो दर्जन से भी अधिक सांसदों ने उन्हें जन कल्याण व विकास कार्यों हेतु दी गई पच्चीस फीसदी से भी अधिक राशि (95 करोड़) सरकार को लौटा दी, एक ओर देश का आम नागरिक जरूरी सहूलियतों सड़क, बिजली, पानी के लिए तरस रहा है और दूसरी ओर इन कार्यों के लिए जन प्रतिनिधियों को दी गई राशि खर्च ही नहीं हो पा रही, इससे बड़ा लोकतंत्र के प्रति लापरवाही का उदाहरण कहां मिलेगा? जिस देश में इक्कतीस फीसदी सांसद दागी और 87 फीसदी सांसद अपने संसदीय कार्यकाल में करोड़पति हो गए हो, उस देश की आम जनता हर विकास के लिए तरसेगी नहीं तो क्या होगा? फिर क्या आजादी के बाद आज तक किसी ने भी यह सोचा कि कर्ज लेकर चुनाव लड़ने वाला और सांसद या विधायक बनने वाला शख्स अपने जन प्रतिनिधित्व काल में करोड़पति कैसे हो जाता है और फिर आर्थिक रूप से सम्पन्न हो जाने के बाद भी वह जीवन भर जन प्रतिनिधित्व की पेंशन प्राप्त क्यों करता है?

कुल मिलाकर अब तक देश ने जिन जन प्रतिनिधियों को देश के रक्षक का दायित्व बड़ी उम्मीदों के साथ सौंपा, वे ही वास्तविक रूप से 'भक्षक' की भूमिका में सामने आए, यही कारण है कि पिछले पांच सालों में एक करोड़ 29 लाख मतदाताओं ने नेताओं के स्थान पर 'नोटा' को वोट देना ज्यादा बेहतर समझा। यह तथ्य एडीआर ने हाल ही में 2018 से 22 के बीच हुए चुनावों के आधार पर उजागर किया है। यही नही यह भी तथ्य उजागर किया गया है कि इसी वर्ष अर्थात् 2022 में हुए पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों में मात्र 0.70 फीसदी मतदाताओं ने ही सही रूप से अपने मताधिकारों का उपयोग किया। मौजूदा नेताओं के प्रति आम मतदाता की अनास्था का मुख्य कारण उनकी आपराधिक छवि भी है, नेताओं के 'दागी' होने के तथ्य को कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा है, फिर वह चाहे चुनाव आयोग हो या केन्द्र की सरकार? शायद इसी कारण देश के आम मतदाता की लोकतंत्र की प्रमुख प्रक्रिया चुनाव के प्रति भी रूचि कम होती जा रही है और इसी कारण पिछले दिनों कई स्तरों पर मतदान को कानूनी रूप से अनिवार्य करने की भी चर्चा चलाई गई थी। जिसे विभिन्न दबावों के चलते कानूनी रूप नहीं दिया जा सका।

इस प्रकार कुल मिलाकर हम आजादी का अमृत महोत्सव अवश्य मना रहे है, साथ ही इस वास्तविकता को लेकर दु:खी भी है कि हम पचहत्तर सालों में हमारे देश को किसी भी दृष्टि से उतना आगे नहीं बढ़ा पाए, जितनी की अपेक्षा की गई थी, जबकि विश्व में अनेक देश ऐसे है जो हमारे कई वर्षों बाद आजाद हुए और प्रगति व जनसुविधा तथा जनकल्याण की दृष्टि से हमसे काफी आगे है, शायद इसी कारण देश का आम जागरूक नागरिक भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था से निराश व बैचेन है? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 28 अगस्त

- 1532 तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने कैरीथिया और क्रोएशिया में तबाही मचाई.
- 1574 इंग्लैंड और स्पेन के व्यापारियों के बीच का विवाद ब्रिस्टल संधि से सुलझा.
- 1828 रूसी लेखक लियो टालस्टाय का जन्म हुआ.
- 1848 ब्रिटिश फौजों ने बोएर्स को बूमप्लाज में हराया.
- 1849 बेनिस ने आस्ट्रिया के आगे आत्मसमर्पण किया.
- 1879 जुलू युद्ध ने ब्रिटिश फौजों ने सेटीवायो पर कब्जा किया.
- 1883 ब्रिटिश संसद ने दास प्रथा पर प्रतिबंध लागू किया.
- 1904 भारत में पहली कलकत्ता से बैरकपुर तक कार रैली का आयोजन हुआ.
- 1972 साधारण बीमा कारोबार राष्ट्रीयकरण विधेयक परित हुआ.
- 1973 मेक्सिको सिटी के दक्षिण पश्चिम में भूकंप से 500 व्यक्ति मारे गए और एक हजार से अधिक घायल हो गए.
- 1988 पश्चिम जर्मनी में हवाई करतब दिखाते समय इटली का एक जेट दो अन्य विमानों से टकरा कर दर्शकों पर गिर पड़ा जिससे 45 व्यक्ति मारे गए और 500 अन्य घायल हो गए.
- 1990 इराक ने कुवैत को अपना 19वाँ प्रांत घोषित किया.
- 1991 न्यूयार्क में एक रेल दुर्घटना में पांच व्यक्ति मारे गए और 133 अन्य घायल हो गए.
- 1993 नाइजीरिया में तेल, विमान सेवा और अन्य उद्योगों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल की.
- 1998 दिल्ली में सरसों के मिलावटी तेल से दो मरे.

तिरंगे झंडे का अपमान एक शोचनीय विषय

(शर्मनाक स्थिति) कहा भी जाता हैं कि ठअति सर्वस्य वर्जयेत ठयानी किसी भी बात की अधिकता नुक्सान दायक होता हैं । चिकित्सा शास्त्र में हीनयोग अतियोग और मिथ्यायोग रुग्णता की निशानी होती हैं । जैसे बरसात में अधिक वर्षा होना ,या कम वर्षा होना या बरसात में गर्मी अधिक पड़ना या ठण्ड अधिक पड़ना मिथ्यायोग कहलाता हैं ।

कहा भी जाता हैं यदि कोई शासक अपनी मनमानी कर अपना रौब ज़माना चाहता हैं तो उसका प्रभाव पड़ता हैं पर वह अस्थायी होता हैं । इसी प्रकार अत्याचार भी एक सीमा तक सहनीय होता हैं उसके बाद वह शांत या विस्फोटक होने लगता हैं ।

जिनको हम आदर्श मानते हैं जब उनकी लोकप्रियता चरम पर होने से उन्हें अप्रिय होने का डर सताने लगता हैं । इसी प्रकार वर्तमान शासक या प्रधान नौकर की लोकप्रियता अधिक होने पर उनकी छवि /पोस्टर /फोटो की अधिकता होने पर कूड़ेदान में दिखाई देती हैं ।

आज जिस तिरंगे के पीछे लाखों लोगों ने अपनी जान दी ,सैकड़ों वर्षो तक संघर्ष जारी रखा की यह हमारा गौरव हैं और कभी झंडा झुकने न पाए ,झंडा हमारी आन ,बान, शान का प्रतीक माना जाता रहा और हैं और आगे भी रहेगा पर ----इस शासन ने तिरंगे झंडे की शान को दुर्गति में पहुँचाया । देश के अमृत महोत्सव के दौरान हर घर तिरंगा और चौबीस घंटे तिरंगे का फहराना । वैसे तिरंगे झंडे के फहराने का पात्र वह हैं जो ईमानदार ,शुचिता और देश के विकास में भागीदारी निभाए । हम अपना आत्मावलोकन करे और यह सोचे की क्या हम इस तिरंगे को फहराने के पात्र हैं या नहीं ?सबसे ज्यादा हमारे राजनेता इसके कुपात्र हैं इसके साथ इन झंडों की दुर्गति किस प्रकार हो रही हैं वह अकथनीय और अकल्पनीय हैं ,जिसका साक्ष्य इन चित्रों से परिलक्षित हो रहा हैं ।

तिरंगे झंडों को पुरानी मान्यताओं के अनुसार पंद्रह अगस्त और छबीस जनवरी को ससम्मान फहराना चाहिए और सूर्यास्त के बाद उसे उतार कर रखना चाहिए और हर घर या स्थान पर नहीं फहराना चाहिए । पहले किसी मंत्री के यहाँ के यहाँ जाते थे तो तिरंगा झंडा न फहराने के कारण मंत्री बाहर हैं पर आज चौबीस घंटे लहराने के कारण यह समझ में नहीं आता की मंत्री बंगले पर हैं या नहीं ।

तिरंगे झंडे का फहराना देश भक्ति नहीं हैं वरन तिरंगे में जो आदर्श निहित हैं उनका पालन करना और उसे योग्य ही फहराने के योग्य हैं बाकी सब दिखावा हैं और यह देश ,झंडे का अपमान हैं ।(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

शब्द पहेली - 7390

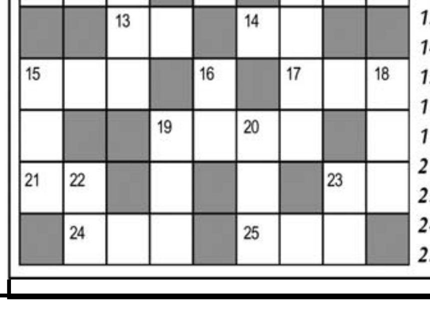

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -7389 का हल

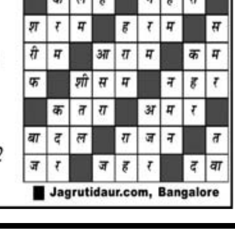

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आज एशिया कप में गरजेगा विराट का बल्ला, छूटेगी लंबे समय से बल्ले पर लगी जंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशिया कप का 15वां सीजन शनिवार को अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मुकाबले के साथ शुरू हो गया है। भारत का मुकाबला 28 अगस्त को पाकिस्तान के साथ होना है। इस मैच से विराट कोहली टीम इंडिया में कमबैक करेंगे। उन्होंने लंबे ब्रेक के बाद क्रिकेट में वापसी की है। विराट इस मैच के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नेट्स पर उनकी बल्लेबाजी देखकर तो यही लग रहा है कि उनके बल्ले से जल्द ही बड़ी पारी निकलेगी। बीसीसीआई ने कोहली का एक प्रैक्टिस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो लंबे-लंबे शॉट्स लगाते नजर आ रहे थे। उनका एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान ने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलते दिखाई दे रहे हैं।

कोहली का यह शॉट देखकर तो एकबारगी युजवेंद्र चहल भी हैरान रह गए हैं।

इसके बाद विराट कोहली उनके पास गए और उनके साथ ही इस शॉट का जश्न मनाया। वैसे, क्रिकेट में कई बल्लेबाज रिवर्स स्वीप शॉट खेलते हैं। लेकिन, विराट कोहली को इस शॉट पर हाथ आजमाते कम ही देखा गया है। लेकिन, जिस तरह से कोहली नेट्स पर इस शॉट का अभ्यास कर रहे हैं, उसे देखकर तो यही लग रहा है कि एशिया कप के दौरान वो इस शॉट के जरिए गेंदबाजों को परेशान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की तरफ से खेलते हैं और इसी फ्रेंचाइजी से ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल भी पिछला सीजन खेले हैं और वह इंटरनेशनल क्रिकेट में अक्सर रिवर्स स्वीप खेलते हैं। ऐसे में यह माना जा सकता है कि कोहली ने आईपीएल के दौरान ही मैक्सवेल से यह शॉट खेलने का गुर सीखे हों।

विराट कोहली नवंबर, 2019 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक नहीं लगा पाए हैं। हाल के दिनों में भी उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में एशिया कप के जरिए वो अपनी खोई फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। वैसे भी, पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप का मुकाबला कोहली के लिए खास होगा। यह उनका 100वां इंटरनेशनल टी20 होगा और वो इसे स्पेशल बनाने के लिए जरूर बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। फैंस को भी उनसे यही उम्मीद है। वैसे, भी कोहली बड़े मैच के खिलाड़ी माने जाते हैं। उम्मीद लगाई जा सकती है कि पाकिस्तान के खिलाफ उनका बल्ला बोलेगा।

लिंथोई चानाम्बाम ने विश्व कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की लिंथोई चानाम्बाम ने बोस्निया-हर्जेगोविना के साराजेवो में विश्व कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता जिससे वह टूर्नामेंट में किसी भी आयु वर्ग में पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गईं। मणिपुर की 15 साल की खिलाड़ी ने ब्राजील की बियांका रेस को पछाड़कर महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने इस युवा एथलीट की उपलब्धि की जानकारी दी। जुलाई में लिंथोई ने बैंकाक में एशियाई कैडेट एवं जूनियर जूडो चैम्पियनशिप 2022 में 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला था।

भूटिया ने फीफा के फैसले का स्वागत किया, कहा यह बदलाव का समय है

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया ने विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) पर लगे प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत कर कहा कि यह व्यवस्था में बदलाव करने का समय है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासकों की समिति को बर्खास्त करने के बाद फीफा ने एआईएफएफ लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया जिससे भारत का फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी करने का रास्ता भी साफ हो गया।

भूटिया ने कहा, यह शानदार खबर है। मैं फीफा के एआईएफएफ पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के फैसले का स्वागत करता हूं। यह भारतीय फुटबॉल की जीत है। उन्होंने कहा, मैं अपने युवा खिलाड़ियों के लिए खुश हूं क्योंकि अब उन्हें महिला अंडर-17 विश्वकप में अपने आयु वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा।'' फीफा ने 15 अगस्त को तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव का हवाला देकर एआईएफएफ पर प्रतिबंध लगा दिया था।

एआईएफएफ के दो सितंबर को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल भूटिया ने कहा कि यह देश के फुटबॉल प्रशासन में बदलाव का समय है, ताकि भविष्य में निलंबन की किसी स्थिति से बचा जा सके। भूटिया ने कहा,'' यह सबक सीखने और भारतीय फुटबॉल प्रशासन में बदलाव और सुधार लाने का समय है। हमें व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। मेरा मानना है कि अगर हमारे पास अच्छी प्रणाली और प्रशासन में अच्छे व्यक्ति रहते हैं तो भारतीय फुटबॉल नई ऊंचाइयां हासिल कर सकता है।''

स्वर्ण पदक से चूके सात्विक-चिराग, ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में निराश किया है। इस भारतीय जोड़ी को आरोन चिया और सोह वूई यिक की छठी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी को 20-22, 21-18, 21-16 से हराया। इसके साथ ही चिराग-सात्विक का गोल्ड का सपना टूट गया। इस भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में इस बार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बेहद निराश किया। सिर्फ सात्विक-चिराग की जोड़ी पदक जीतने में सफल रही। सात्विक चिराग की हार के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

यह सात्विक और चिराग की मलेशियाई जोड़ी के हाथों लगातार छठी हार है। इस महीने के शुरू में कॉमनवेल्थ गेम्स के मिक्स्ड टीम फाइनल में भी उन्हें इस जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बावजूद भारतीय जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और भारत का एक पदक सुनिश्चित किया। भारत ने 2011 के बाद इस प्रतियोगिता में हमेशा पदक जीता है। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में युगल में दूसरा पदक है। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने 2011 में महिला युगल में कांस्य पदक जीता था।

भारत का यह विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 13वां पदक है। पीवी सिंधु ने 2019 में स्वर्ण पदक सहित इस प्रतियोगिता में कुल पांच पदक जीते हैं जबकि साइना नेहवाल ने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया है। इनके अलावा किदांबी श्रीकांत ने रजत, लक्ष्य सेन, बी साई प्रणीत और प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीते हैं। इसके अलावा ज्वाला गट्टा-अश्विनी पोन्नपा वुमेंस डबल्स ब्रॉन्ज 2011 में खिताफ जीता था।

फैंस ने रोनाल्डो के नाम से शेयर की विराट के नाम की पोस्ट, बाद में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय एशिया कप के लिए यूएई में है। टीम इंडिया टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को खेलेगी। कई दिग्गज उम्मीद लगाए बैठे हैं कि विराट खराब फॉर्म से उबरते हुए वापसी करें। इसी बीच दुनिया के मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कोहली को विश करते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई।

फैंस को लगा कि रोनाल्डो ने विराट कोहली को रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले शुभकामनाएं दी हैं। रोनाल्डो ने अपनी पोस्ट में लिखा था- संडे को किंग की वापसी हो रही हैं। फैंस ने इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर कर कोहली की तारीफ में खूब कसीदे पढ़े। इसी बीच पाकिस्तान स्टार बाबर आजम के लिए भी रोनाल्डो की ऐसी ही पोस्ट सामने आ गई। इसमें बाबर की फोटो के साथ रोनाल्डो का मैसेज संडे को किंग की वापसी हो रही हैं, शेयर हुआ था। मामला बढ़ा तो खुलासा हुआ कि रोनाल्डो ने मैनचैस्टर युनाइटेड की ओर से आगामी मुकाबले से पहले प्रेक्टिस सेशन में अपनी फोटो इस कैप्शन के साथ शेयर की थी। विराट कोहली और बाबर आजम के फैंस ने इसे अपने स्टार प्लेयरों के साथ जोड़कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

एशिया कप : भारत-पाक फिर होंगें आज आमने-सामने

रोहित और कोहली पर रहेगी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत रविवार को अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से बदला चुकता करने उतरेगा। भारतीय टीम को 10 महीने पहले इसी मैदान पर टी-20 विश्वकप के दौरान पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित और विराट कोहली इस बार कहानी बदलने के लिए पूरी तरह से बेताब हैं। रोहित जहां अपने अतिरिक्त आक्रामक बल्लेबाजी रवैये को अपने इस चिर प्रतिद्वंदी के खिलाफ नए आयाम देना चाहते हैं। वहीं, कोहली के लिए यह मुश्किल दौर से उबर कर फॉर्म में वापसी करने का उपयुक्त मंच होगा। भारतीय टीम का इससे भी बड़ा लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले 10 वर्षो से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई और इसके बाद वह किसी बड़े टूर्नामेंट में ही आमने-सामने होते हैं। इसतरह से हुए एक दूसरे के खिलाड़ियों के खेल से अपरिचित रहते हैं।

पिछली बार जब भारत ने पाकिस्तान का सामना किया था, तब उन्हें पता नहीं था शाहीन शाह अफरीदी के खेल में कितना निखार आ गया है और इसका परिणाम यह रहा भारतीय टीम को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अफरीदी ने अपने पहले दो ओवर में ही भारतीय गुट में खलबली मचा दी थी। लेकिन रविवार को अफरीदी पाकिस्तानी गेंदबाजी की अगुवाई करने के लिए मौजूद नहीं रहने वाले हैं, क्योंकि घुटना चोटिल होने के कारण वह इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के कई प्रयोगों के बावजूद भारतीय शीर्ष क्रम में लगभग वहीं बल्लेबाज हैं, जो पिछले साल टी-20 विश्व कप में खेले थे।रोहित और ऋषभ पंत की जोड़ी ने अपने आक्रामक तेवरों के कारण काफी उम्मीदें जगाई हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की अपनी काबिलियत के कारण भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी बन गए हैं।

दीपक हुड्डा को भी आयरलैंड के खिलाफ पारी का आगाज करने का मौका दिया गया था, लेकिन अब कोहली और केएल राहुल की वापसी हो गई है। इसके बाद इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को ही मौका मिलने की संभावना है। राहुल ने 2022 में अभी तक एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। कोहली के नाम पर वेस्टइंडीज के कमजोर आक्रमण के सामने एक अर्धशतक दर्ज है, जबकि रोहित भी बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे हैं। लेकिन यह टीम इस महत्वपूर्ण मैच में नए दृष्टिकोण के साथ उतरेगी।

उप कप्तान केएल राहुल ने कहा था, टीम का पिछले विश्वकप के बाद नया दृष्टिकोण के साथ खेलना अच्छा रहा है और उम्मीद है कि हम इसे यहां जारी रखने वाले हैं। काफी कुछ हालांकि सूर्यकुमार, पंत और हार्दिक पंडया के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। यह तीनों और फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक पाकिस्तानी आक्रमण पर हावी होने की कोशिश करे।

जहां तक पाकिस्तान की बात है, तब उसके कप्तान और मुख्य बल्लेबाज बाबर आजम अपने पुराने दिग्गज खिलाड़ियों से भिन्न हैं। वह शांत चित्त खिलाड़ी है जिसका की टीम को फायदा ही हुआ है। बाबर और मोहम्मद रिजवान शीर्ष क्रम में मजबूत जोड़ी है और उन्होंने पिछले साल भारतीय लक्ष्य को हासिल करके अपनी काबिलियत का अच्छा सबूत दिया था। नंबर तीन पर फखर जमां अपनी ठोस बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं लेकिन पाकिस्तान के अन्य बल्लेबाजों में निरंतरता का अभाव है। आसिफ अली, खुशदिल शाह और हैदर अली अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी नियमित तौर पर एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया है।

यदि पाकिस्तान को अफरीदी की कमी खलेगी, तब भारत के लिए भी जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति किसी झटके से कम नहीं है। वह पीठ की चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हैं। उनके अलावा टी-20 के विशेषज्ञ गेंदबाज हर्षल पटेल भी पसलियों की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार को अंतिम ओवरों में युवा अर्शदीप सिंह का साथ मिल सकता है।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद में फूट ऑवर ब्रिज का उदघाटन करते हुए अटलजी को किया याद

अहमदाबाद , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में साबरमती नदी पर बने 300 मीटर लंबे और 100 मीटर चौंडे अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण किर्या इस मौके पर पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को याद किर्या दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए पीएम मोदी साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित खादी उत्सव में शामिल हुए और उसके बाद अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण किर्या पीएम मोदी ने फूट ऑवर ब्रिज पर चहलकदमी भी र्की इस मौके पर पीएम मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत पार्टी नेता उपस्थित रहें अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा तैयार किए गए अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण करते हुए पीएम मोदी ने अटल जी को याद किर्या मोदी ने कहा कि अटल जी ने गुजरात को काफी प्यार दिया हैं अटल जी 1996 में गांधीनगर से चुनाव जीते थें उन्होंने कहा कि यह फूट ऑवर ब्रिज केवल साबरमती नदी के दोनों किनारों को ही नहीं जोड़ता बल्कि ब्रिज की एक विशेषता भी हैं विशेषता यह है कि ब्रिज बनाने में पतंग महोत्सव का खास ध्यान रखा गया हैं गौरतलब है अहमदाबाद के एलिस ब्रिज और सरदार ब्रिज के बीच बने 300 मीटर लंबे और 100 मीटर चौंड़े आइकोनिक ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका हैं रू. 75 करोड़ की लागत से बने इस ब्रिज के निर्माण में 2700 टन स्टील का पयोग किया गया हैं फूट ऑवर ब्रिज पर आरसीसी का फ्लोरिंग और स्टेनलेस स्टील तथा ग्लास रेलिंग का उपयोग किया गया हैं ब्रिज के छोर पर पतंग आकार का स्कल्पचर तैयार किए गए हैं ब्रिज पर कलर चैंज हो सके ऐसी डाइनेमिक एलईडी लाइटें लगाई गई हैं साबरमती के पूर्व और पश्चिम किराने को जोड़ने वाले इस ब्रिज का निर्माण अहमदाबाद महानगर पालिका किया हैं जिसमें 10 मीटर से 14 मीटर की चौंडाई में लोगों के बैठने की भी व्यवस्था की गई हैं यहां आने वाले लोगों के लिए खान-पान के स्टॉल की व्यवस्था किए जाने की आयोजन हैं साथ ही ब्रिज के पूर्व और पश्चिम छोर पर मल्टीलेवल कार पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगीं अटल फूट ऑवर ब्रिज से अहमदाबाद की सुंदरता में वृद्धि हुई हैं

आवारा पशुओं को लेकर सरकार हुई सख्त, अहमदाबाद पुलिस ने जारी की अधिसूचना

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में आवारा पशुओं के आंतक के मुद्दे पर गुजरात हाईकोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई गईं हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सरकार हरकत में आ गई है और आवारा पशुओं की समस्या से निपटने की कार्यवाही शुरू कर दी हैं अहमदाबाद पुलिस भी पशु पकड़ने वाली टीम की मदद में आ गई हैं अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने एक अधिसूचना जारी कर पशु पकड़ने वाली टीम को मदद करने की जिम्मेदारी सौंपी हैं साथ ही शहर में आम रास्तों पर घासचारा बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है और इसकी बिक्री करने वालों को पकड़ने का आदेश जारी किया हैं पुलिस आयुक्त ने एसीपी को फिल्ड में मौजूद रहकर इस दिशा में ठोस कार्यवाही का आदेश दिया हैं पुलिस की अधिसूचना के मुताबिक 26 अगस्त से 1 सितंबर तक आम रास्तों पर घासचारा बेचने वालों को पकड़ने का आदेश दिया हैं अधिसूचना का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया हैं डीसीपी को सुपर विजन करने का आदेश दिया हैं शहर में दुर्घटनाओं का प्रमाण कम करने के लिए सोला और नवरंगपुरा को आवारा पशु मुक्त करने का आदेश हैं बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट ने आवारा पशुओं के मामले में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गुजरात स्टेट लिगल सर्विस ऑथोरिटी को भी एक रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया हैं हाईकोर्ट की लताड़ के बाद अहमदाबाद महानगर पालिका हरकत में आ गई है और आवारा पशुओं की पकड़ने की कार्यवाही युद्धस्तर पर शुरू कर दी हैं आम रास्तों पर जहां कहीं भी आवारा पशु नजर आते हैं उन्हें पकड़ा जा रहा हैं

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज आएंगे गुजरात

अहमदाबाद, २७ अगस्त।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है।

गुजरात के लोगों को आकर्षित करने के लिए दिग्गज नेता विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं, वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक बार फिर गुजरात के दौरे पर आज आने वाले है। रविवार को गांधीनगर अपने संसदीय क्षेत्र में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे। गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में उपस्थित रहेंगे। कल अमित शाह कलोल तहसील के वडसर गांव की झील के सौंदर्यीकरण के काम का उद्घाटन करेंगे। अब अमित शाह सोमवार सुबह दिल्ली लौटेंगे। आपको बता दें कि जन्माष्टमी के दिन अमित शाह गुजरात के दौरे पर थे और वे कृष्ण जन्मोत्सव के मौके पर अपने परिवार के साथ इस्कोन मंदिर पहुंचे और आरती में भी शामिल हुए थे। विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है भाजपा नेताओं का गुजरात आने का सिलसिला तेज हो गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह २८ अगस्त को गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद यह इसका पहला स्नातक समारोह है। दीक्षांत समारोह के बाद गृहमंत्री अमित शाह दोपहर में कालोल के पंसार गांव का दौरा करेंगे। सूत्रों ने बताया है कि अमित शाह अपने संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और संबंधित अधिकारियों से चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता गुजरात का दौरा कर रहे हैं क्योंकि दो महीने के बाद आचारसंहिता लागू हो जाएगी। भाजपा ने विकास कार्यों की गति तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी के नेता केजरीवाल भी गुजरात के दौरे पर हैं। वह दिल्ली-पंजाब मॉडल के मुद्दे पर प्रचार शुरू कर दिया है।

अहमदाबादवासी जिसे मक्खन समझ खा रहे थे वह नकली निकला!

अब बटर में भी मिलावट

रियलिटी चेक में हुआ चौंकाने वाले खुलासे

लोगों के पास से मक्खन के पर्याप्त रुपये लेने के बाद सस्ता फैट स्प्रेड लोगों की डीस तक पहुंच रही है। क्या आप जानते हैं कि फास्ट फूड खाते समय आपकी थाली में मक्खन की जगह पाम ऑयल परोसा गया होगा? क्या आप जानते हैं कि आप व्यापारी को मक्खन वाले भोजन के लिए जो पैसे दे रहे हैं, उसके बदले व्यापारी आपको पाम आयल परोस रहा है? जी 24 घंटे रियल्टी चेक ने कुछ ऐसी ही तस्वीरों का खुलासा किया है जहां प्रशंसक बटर सैंडविच या बटर मस्कबैन का आनंद ले रहे हैं जो वास्तव में पाम ऑयल से बने स्प्रेडर से बनाया गया है। बटर सैंडविच के लिए ऑयल सैंडविच के लिए ग्राहक ज्यादा भुगतान कर रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें पाम ऑयल मिल रहा है।

पाम तेल मक्खन के दुष्प्रभाव

क्या आप जानते हैं पाम आयल से बने मक्खन के भी साइड इफेक्ट होते हैं। जाहिर तौर पर पाम आयल से बने इस तरह के फैट स्प्रेड को खाने से तत्काल कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, लेकिन ऐसे भोजन के लंबे समय तक सेवन से मोटापा, हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। मक्खन दूध से बना एक उत्पाद है, इसके सेवन से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। जबकि फैट स्प्रेड के इस्तेमाल से वे लोग परहेज करते हैं जो अपनी सेहत को लेकर सावधान रहते हैं। अहमदाबाद के कई फूड स्टॉल में इस तरह का फैट स्प्रेड मक्खन की जगह अंधाधुंध लोगों को परोसा जा रहा है। ऑर्डर करने वाले लोगों को यह भी नहीं बताया जाता कि आखिर वे क्या खा रहे हैं।

इस मामले में एएमसी की सार्वजनिक प्रयोगशाला के पूर्व अधिकारी अतुल सोनी का कहना है कि जब एएमसी मक्खन के नाम पर बिकने वाले ऐसे खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेजती है तो ऐसे सैंपल फेल हो जाते हैं। क्योंकि यह दूध से नहीं बनता है। ऐसी सामग्री को घटिया घोषित किया जाता है। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2016 के तहत ऐसे लोगों को 5 लाख का जुर्माना लगाया गया है। आगे ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर एसडीएम के समक्ष सुनवाई की जाती है। फैट स्प्रेड आमतौर पर मक्खन की तुलना में तीन गुना सस्ता होता है। ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में लोगों को बटर मनी देने के बावजूद स्प्रेड परोसा जा रहा है।

उत्तर रेलवे के मानक नगर स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर रेलवे के कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-लखनऊ जं.-ऐशबाग सेक्शन के मानक नगर स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के कार्य के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें निरस्त तथा परिवर्तित मार्ग से चलेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

निरस्त ट्रेनें:

28 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस

30 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 22922 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस अंत्योदय एक्सप्रेस

29 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 19401 अहमदाबाद-लखनऊ एक्सप्रेस

30 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 19402 लखनऊ-अहमदाबाद एक्सप्रेस

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें:

27 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 15270 साबरमती-मुजफ्फरपुर जनसाधारण एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया जयपुर-दिल्ली-मुरादाबाद-आलम नगर-लखनऊ के रास्ते चलेगी।

1 सितंबर, 2022 की ट्रेन संख्या 15269 मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लखानऊ-आलम नगर-मुरादाबाद-दिल्ली-जयपुर के रास्ते चलेगी।

27 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 20921 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ सुपरफास्ट एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उन्नाव जं-बलामऊ जं-आलम नगर-लखनऊ जं. के रास्ते चलेगी।

27 अगस्त एवं 1 सितंबर, 2022 की ट्रेन संख्या 19409 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-प्रयाग-प्रतापगढ़-अयोध्या कैंट-मनकापुर-गोरखपुर के रास्ते चलेगी।

29 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 19410 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-मनकापुर-अयोध्या कैंट-प्रतापगढ़-प्रयाग-प्रयागराज - कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।

28 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया अयोध्या कैंट-प्रतापगढ़-प्रयाग - प्रयागराज - कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।

28 अगस्त, 2022 की ट्रेन संख्या 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-प्रयाग-प्रतापगढ़-अयोध्या कैंट-मनकापुर-गोरखपुर के रास्ते चलेगी।

अब ग्राहकों का डेटा नहीं बेचेगी आईआरसीटीसी, टेंडर लिया वापस

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने अपने ग्राहकों के डेटा मोनेटाइजेशन के लिए सलाहकार नियुक्त करने संबंधी विवादास्पद टेंडर वापस ले ?लिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्राइवेसी पर चिंताओं के बाद यह फैसला किया गया। आईआरसीटीसी ने आईटी पर संसद की स्थायी समिति को बताया कि टेंडर को वापस ले लिया गया है। इस समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता शशि थरूर हैं। दरअसल, डेटा मोनेटाइजेशन के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी करने पर एक रिपोर्ट के बाद संसदीय समिति ने आईआरसीटीसी के अधिकारियों को तलब किया था। आईआरसीटीसी की एमडी और चेयरपर्सन रजनी हसीजा अन्य अधिकारियों के साथ समिति के सामने पेश हुईं। आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने समिति को बताया कि आईआरसीटीसी ने डेटा संरक्षण विधेयक को मंजूरी न मिलने के चलते टेंडर वापस ले ?लिया है। समिति की सुनवाई से पहले आईआरसीटीसी की वार्षिक आम बैठक में टेंडर वापस लेने के बारे में फैसला किया गया। आईआरसीटीसी के 10 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं, जिसमें से 7.5 करोड़ एक्टिव यूजर्स हैं। आईआरसीटीसी ने यात्रियों एवं माल उपभोक्ता आंकड़ों के मौद्रिकरण के लिए एक सलाहकार नियुक्त करने को लेकर निविदा जारी की थी, ताकि 1,000 करोड़ रुपए तक राजस्व जुटाया जा सके। आईआरसीटीसी के टेंडर दस्तावेज के अनुसार जिन आंकड़ों का अध्ययन करने की बात कही गई थी, उनमें विभिन्न सार्वजनिक एप्लीकेशन द्वारा दर्ज सूचनाएं शामिल थी। इस सूचनाओं में नाम, आयु, मोबाइल नंबर, पता, ईमेल आईडी, यात्रा की श्रेणी, लॉगइन, पासवर्ड आदि का ब्योरा शामिल था।

रॉयल एनफील्ड हंटर 350 एक शानदार मोटरसाइकिलिंग का अनुभव अब गुजरात में

अहमदाबाद, 26 अगस्त: मिड-साइज़ (250cc-750cc) मोटरसाइकिल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर रॉयल एनफील्ड ने आज गुजरात में नया हंटर 350 लॉन्च किया। शहरी हलचल के लिए डिज़ाइन किया गया नया हंटर 350 एक रीमिक्स्ड रोडस्टर है जिसमें रॉयल एनफील्ड के चरित्र को एक स्टाइलिश, कॉम्पैक्ट- और मस्कुलर डिज़ाइन के साथ फिर से जोड़ा गया है, जो भीड़-भाड़ वाली शहर की सड़कों, उपनगरीय बैकरोड और उससे आगे, एंप्लॉम्ब से निपट सकता है।

रोडस्टर सेगमेंट में एक महत्वपूर्ण ग्राहक आधार के साथ गुजरात रॉयल एनफील्ड के लिए प्रमुख विकास बाजारों में से एक बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिलों ने राज्य में एक मजबूत राइडिंग कम्युनिटी का निर्माण किया है और मध्यम आकार के मोटरसाइकिल खंड (>250cc-750cc) में पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। हंटर 350 राज्य में रॉयल एनफील्ड के लिए नए ऑडियंस को जोड़ेगा, इसकी डिज़ाइन कार्यात्मक और सरल है जो नयी है पर पुराने लुक्स के साथ आता है और उस आवश्यक रॉयल एनफील्ड डीएनए को बरकरार रखता है। रॉयल एनफील्ड हंटर 350 गुजरात राज्य में इसके लगभग 75 टच पॉइंट्स पर उपलब्ध होगी।।

हंटर 350 के पीछे की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए, रॉयल एनफील्ड के सीईओ, बी गोविंदराजन ने कहा, ''रॉयल एनफील्ड में हम अपने उपभोक्ताओं और समुदाय के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। उनकी इच्छाएं और आकांक्षाएं हमारे द्वारा बनाई गई मोटरसाइकिलों को आकार देती हैं और हम हमेशा उनके लिए नए अनुभव और शुद्ध मोटरसाइकिलिंग के नए प्रारूप तैयार करना चाहते हैं। हमेशा उत्साही मोटरसाइकिल चालकों का एक समूह था जो हमारे ब्रांड से प्यार करता था, लेकिन हमारे पोर्टफोलियो के भीतर सही तरह का रवैया नहीं मिला। हंटर 350 उनके लिए है। यह एक मोटरसाइकिल है जो अलग-अलग प्रजातियों की ताकत को जोड़ती है, और इसे एक सुपर स्टाइलिश और मजेदार पैकेज में एक साथ लाती है जो कि अचूक रॉयल एनफील्ड चरित्र के साथ शुद्ध मोटरसाइकिलिंग का एक नया स्वाद है।''

हंटर 350 रॉयल एनफील्ड लाइन-अप के भीतर विशिष्ट रूप से अद्वितीय है। पुरस्कार विजेता 350 सीसी जे-सीरीज़ प्लेटफॉर्म पर निर्मित, अत्यधिक फ़्लिकेबल हैरिस परफॉर्मेंस चेसिस के साथ, हंटर शहर की सड़कों पर नाजुकता के बिना, मुस्कराहट का आनंद देता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 564.053 अरब डॉलर रहा

- 12 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर रहा था

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। इसी माह 19 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में यह 6.687 अरब डॉलर घटकर 564.053 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 12 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर रहा था। 5 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में यह 89.7 करोड़ डॉलर घटकर 572.97 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले 29 जुलाई को खत्म हुए सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 2.315 अरब डॉलर बढ़कर 573.875 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक 19 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 5.779 अरब डॉलर घटकर 501.216 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.61 अरब डॉलर हो गया। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में देश का स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.99 अरब डॉलर से अधिक हो गया। इसके अलावा गोल्ड रिजर्व का मूल्य 70.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.914 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में देश का एसडीआर 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 17.987 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 4.936 अरब डॉलर रह गया।

सोमनाथ में विजय रुपाणी का बयान

पार्टी टिकट देगी तो लड़ूंगा चुनाव नहीं तो

गीर सोमनाथ, २७ अगस्त।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सावन महीने के अंतिम दिन सोमनाथ के दर्शन कर महादेव का आर्शीवाद लिया। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने दोबारा चुनाव को लेकर अहम बयान देकर तहलका मचा दिया है। विजय रुपाणी ने कहा, पार्टी टिकट देगी तो चुनाव जरूर लड़ेंगे। लेकिन अगर पार्टी किसी और कामयाब करने के लिए कहेगी तो वह भी करने को तैयार है भाजपा में इन दिनों किसी भी तरीके की गुटबाजी नहीं है। आज सावन मास का अंतिम दिन होने के कारण गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी अपने परिवार के साथ सोमनाथ दादा के दर्शन करने गए थे। जहां उन्होंने सोमनाथ दादा के चरणों में प्रणाम किया, लेकिन यहां उन्होंने चुनाव से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है। राजकोट में वजुभाई वाला एक बार फिर राजनीति में सक्रिय हो गए हैं, वहीं मौजूदा राजनीतिक हालात में विधानसभा टिकट के मुद्दे पर विजय रुपाणी ने कहा कि, पार्टी अगर टिकट देगी तो लड़ेंगे अगर किसी और को जिताने को कहेगी तो जिताएंगे भी, भाजपा में राज्य स्तर पर गुटबाजी नहीं है। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी ने बयान देते हुए कहा कि, हम किसी पद या किसी टिकट के लिए काम नहीं कर रहे हैं। एक सपना है कि भारत माता शक्तिशाली भारत माता बने, हम भारत को समृद्धि के शिखर पर पहुंचाने के सपने के साथ काम कर रहे हैं। पार्टी ने जो कुछ भी सौंपा है, हमने हमेशा किया है।

भविष्य में अगर पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहेगी तो हम लड़ेंगे, अगर नहीं लड़ने को कहा गया तो हम चुनाव जिताने के लिए काम करेंगे। यह हमारे पार्टी की पद्धति है। विजय रुपाणी ने बीजेपी में गुटबाजी को लेकर बयान दिया और कहा, बीजेपी में गुटबाजी नहीं है। ये सारी बातें अफवाह है। हम सब एक है और भारतीय जनता पार्टी इन सबसे ऊपर उठकर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्रभाई जैसे महान नेता के मार्गदर्शन में बीजेपी आगे बढ़ेगी।

अहमदाबाद मंडल के साबरमती-खोडियार स्टेशनों के बीच रेलवे क्रॉसिंग नंबर 240 बंद रहेंगा

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-मेहसाणा सेक्शन के साबरमती-खोडियार स्टेशनों के बीच ट्रेक नवीनीकरण और ऑवर हॉलिंग कार्य के चलते दिनांक 29 अगस्त से 03 सितंबर, 2022 तक कुल 06 दिन के लिए रेलवे क्रॉसिंग नंबर 240 (त्रागढ़ फाटक) बंद रहेंगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रेलवे क्रॉसिंग नंबर 241 एवं रिंग रोड से आवागमन कर सकते हैं।

भारत में बने हल्के फाइटर जेट तेजस खरीदने में अर्जेंटीना ने दिखाई दिलचस्पी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर 22 से 26 अगस्त तक 4 दिवसीय लैटिन अमेरिका के दौरे पर थे। इस दौरान वह अर्जेंटीना भी गए। विदेश मंत्री जयशंकर ने अर्जेंटीना की वायु सेना के लिए भारत में निर्मित तेजस लड़ाकू विमान में उसकी रुचि को स्वीकार करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई उंचाई पर ले जाएगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष सशस्त्र बलों, रक्षा प्रशिक्षण और रक्षा संबंधी उपकरणों के संयुक्त उत्पादन के लिए सहयोग के बीच यात्राओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर सहमत हुए।

भारत का तेजस पूरी दुनिया में धूम मचा रहा ह4। डिफेंस इक्विपमेंट के सबसे बड़े निर्यातक अमेरिका ने भी भारत में विकसित इस लड़ाकू विमान में दिलचस्पी दिखाई है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपीन समेत 6 देशों ने भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस में रुचि दिखाई है। मलेशिया पहले ही इस विमान को खरीदने की तैयारी में है। भारत ने मलेशिया को 18 तेजस बेचने की पेशकश की है। अब इसमें अर्जेंटीना का नाम भी जुड़ गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित तेजस एक इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जिसकी क्षमता अत्यधिक खतरे वाले माहौल में परिचालन की है।

रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद के बीते मानसून सत्र के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में लोकसभा को यह जानकारी दी थी कि तेजस विमान में दिलचस्पी दिखाने वाले अन्य 2 देश अर्जेंटीना और मिस्त्र हैं। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस खरीदने के लिए पिछले साल फरवरी में एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपए का करार किया था। एचएएल को इन विमानों की 2023 से डिलीवरी शुरू करनी है।

मलेशिया अपने पुराने रूसी मिग-29 लड़ाकू विमानों को बदलने के लिए तेजस विमान खरीदने का इच्छुक है। तेजस विमान में रुचि दिखाने वाले अन्य देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, मिस्त्र, अमेरिका, इंडोनेशिया और फिलीपींस भी शामिल हैं। इंडियन एयरफोर्स के बेड़े में हलके फाइटर विमान यानी एलएसी को शामिल करने की तैयारी 1983 में ही शुरू हो गई थी। सरकार की हरी झंडी मिलते ही एचएएल साइंटिस्ट अपने मिशन को अंजाम देने में दिन-रात लग गए थे। उस वक्त का सिर्फ दो मकसद थे पहला: रूसी फाइटर मिग-21 के विकल्प के रूप में नया फाइटर जेट तैयार करना। दूसरा: स्वदेशी और हल्का फाइटर जेट विकसित करना। करीब 18 सालों की मेहनत के बाद आखिरकार जनवरी, 2001 में पहली बार इस स्वदेशी फाइटर जेट ने हिंदुस्तान के आसमान में उड़ान भरी थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे 'तेजस' दिया था, जिसका मतलब 'चमक' है।

इस वक्त भारतीय वायु सेना के बेड़े में जो टॉप फाइटर जेट हैं, उनमें सुखोई सुखोई-30एमकेआई, राफेल, मिराज, मिग-29 के साथ तेजस का नाम भी शामिल है। तेजस अपनी कुछ खूबियों की वजह से बाकी चारों फाइटर जेट से अलग और खास है। पहला: इस विमान के 50 फीसदी कलपुर्जे यानी मशीनरी भारत में ही तैयार हुई है। दूसरा: इस विमान में मॉडर्न टेक्नोलॉजी के तहत इजराइल के ईएल/एम-2052 रडार को लगाया गया है। इस वजह से तेजस एक साथ 10 लक्ष्यों को ट्रैक कर उन पर निशाना साधने में सक्षम है। तीसरा बेहद कम जगह यानी 460 मीटर के रनवे पर टेकऑफ करने की क्षमता। चौथा यह फाइटर जेट इन चारों में ही सबसे ज्यादा हल्का यानी सिर्फ 6500 किलो का है।

देश में मुद्रास्फीति भू-राजनीतिक घटनाओं, अंतर्राष्ट्रीय जिंस कीमतों पर काफी हद तक निर्भर: देवव्रत पात्रा

- पात्रा ने कहा, भले ही मुद्रास्फीति अप्रैल के 7.8 प्रतिशत के स्तर से नीचे है लेकिन हमें इस रुझान के टिकाऊ होने को लेकर और आंकड़ों का इंतजार रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा का मानना है कि देश में मुद्रास्फीति की स्थिति अभी भी भू-राजनीतिक घटनाओं, अंतर्राष्ट्रीय जिंस कीमतों और वैश्विक वित्तीय घटनाक्रम पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है। आरबीआई ने मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के बीच मौद्रिक नीति को सख्त करते हुए पिछले चार महीनों में रेपो रेट में 1.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने लगातार सात प्रतिशत के आसपास बनी हुई मुद्रास्फीति को कम करने के लिए नीतिगत दर बढ़ाई है। इस महीने की शुरुआत में हुई आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में उदार रुख को वापस लेने पर ध्यान देते रहने का निर्णय किया गया ताकि मुद्रास्फीति को काबू में रखने के साथ विकास को भी समर्थन दिया जा सके। आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारी पात्रा ने दक्षेस वित्त संगोष्ठि में कहा ?कि निकट अवधि में देश में मुद्रास्फीति की स्थिति बदलती भू-राजनीतिक घटनाओं, अंतर्राष्ट्रीय जिंस बाजार की गतिशीलता और वैश्विक वित्तीय बाजार के विकास पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट के मुताबिक यूक्रेन में जारी युद्ध ने आर्थिक परिदृश्य को व्यापक रूप से बदल दिया है।

उन्होंने कहा ?कि भले ही मुद्रास्फीति इस समय अप्रैल के 7.8 प्रतिशत के स्तर से नीचे आई है लेकिन हमें इस रुझान के टिकाऊ होने को लेकर कुछ और आंकड़ों का इंतजार रहेगा। वैश्विक और घरेलू स्तर पर जिंसों की कीमतों और आपूर्ति शृंखला के दबाव में कुछ सकारात्मक बदलाव हुए हैं लेकिन दूसरे क्रम के संभावित प्रभावों और कच्चे माल की लागत दबाव का मुद्रास्फीति पर असर एक जोखिम बना हुआ है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रमुख मुद्रास्फीति दर के 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पात्रा ने कहा कि आरबीआई ने मुद्रास्फीति की निगरानी को मजबूत करने और पूर्वानुमान की सटीकता में सुधार के लिए कई पहल की है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे पहलू भी शामिल हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी** के करकमलों से

कच्छ शाखा नहर तथा स्मृति वन समेत

विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्यक्रम

28 अगस्त 2022, रविवार
प्रातः 10 बजे
यूनिवर्सिटी ग्राउंड, भुज (कच्छ)

कच्छ शाखा नहर

- 357.185 किलोमीटर की लंबाई वाली यह शाखा नहर समग्र कच्छ को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ पीने के पानी की समस्या को भी दूर करेगी।
- 182 गाँवों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और 22 लाख लोगों को पीने का पानी उपलब्ध होगा।
- यह नहर कच्छ की 2,78,561 एकड़ ज़मीन को नंदनवन बनाने में समर्थ है।
- 1000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में समुद्री खारेपन की रोकथाम

स्मृति वन स्मारक और संग्रहालय

- कच्छ में आए भूकंप से जो तबाही हुई थी उससे उबरकर कच्छ आज नए आयाम के साथ विश्व के समक्ष एक उदाहरण बनेगा।
- पुनः संरचना, पुनःपरिचय, पुनःप्रत्यावर्तन, पुनःनिर्माण, पुनःविचार, पुनःआवृति, पुनःस्मरण और नवीनीकरण की संकल्पना से जुड़े सात ब्लॉक कच्छ के जज्बे को उजागर करेंगे।
- कच्छ की संस्कृति और लोगों की असाधारण पुनरोत्थान की क्षमता का विश्व को परिचय मिलेगा।
- भूकंप का अनुभव कराने वाले संग्रहालय से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- भूकंप में अपना जीवन खोने वाले लोगों के लिए स्मरणांजलि।
- सन-पॉइंट, पाथवे, चेक-डैम, विक्टिम नेम प्लेट, सभागार तथा पर्यटन के अन्य आकर्षण

वीर बालक स्मारक

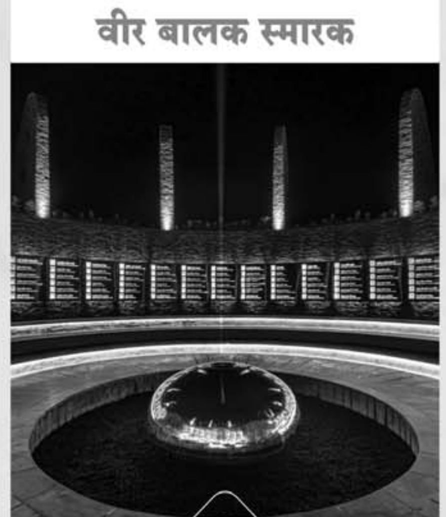

- वीर बालक स्मारक एक जीवंत केन्द्र बनेगा और हमारी संवेदनाओं को सदैव जीवित रखेगा।
- भूकंप में अपना जीवन खोने वाले 185 बालकों की चिरस्मृति बनी रहेगी।

765/440/220 KV भुज-2 सब स्टेशन, नखत्राणा

1182.40 करोड के खर्चे से बने इस सब स्टेशन से अंतरराजीय संबंध मज़बूत होंगे और सौर ऊर्जा की नेटवर्किंग भी सक्षम बनेगी।

भुज-भीमासर नेशनल हाईवे परियोजना

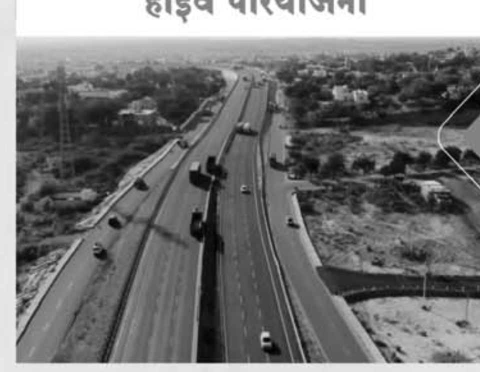

- भुज के नेशनल हाईवे से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।
- भुज, भीमासर और उसके बीच आने वाले अन्य शहरों और गाँवों को लाभ मिलेगा।
- यह परियोजना मात्र शहरों को ही नहीं बल्कि लोगों के दिलों और संस्कृति को भी जोड़ेगी।

डॉ. बाबा साहब आंबेडकर सम्मेलन केन्द्र, गाँधीधाम

- 39 करोड़ के खर्च से बने इस केन्द्र में सामाजिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ए.सी. सभागार, वी.आई.पी विश्राम कक्ष, रेस्तरां और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- कच्छ के गांधीधाम, आदिपुर, कंडला सहित राज्य एवं देश भर से आने वाले लोग इससे लाभान्वित होंगे।

माता नो मढ के पर्यटन विकास के कार्य

- माता नो मढ हमारी आस्था का केन्द्र है। मात्र कच्छ, गुजरात से ही नहीं समस्त भारत से अनेक श्रद्धालु यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। 1500 साल पूराना यह देवस्थान अब नए रंगरुप में दिखेगा।
- 32.72 करोड़ के खर्च से बने श्री आशापुरा माताजी परिसर, चायर कुंड, खाटला भवानी मंदिर, रूपराई तालाब का नवीनीकरण होगा तथा अन्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- इन सुविधाओं के उपलब्ध होने से यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र

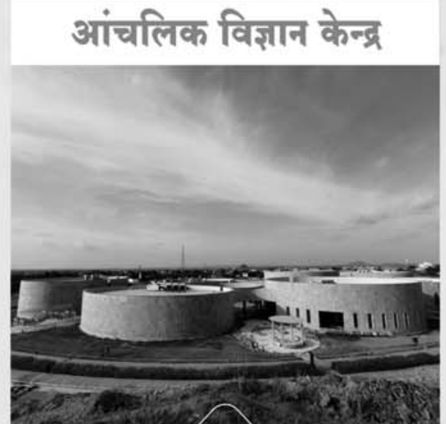

- सामान्य लोगों और विज्ञान के बीच सेतु की भूमिका निभाएगा।
- कच्छ के बच्चों को आगामी वैज्ञानिक पीढ़ी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।
- विज्ञान आधारित पर्यटन के लिए आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

सरहद डेयरी का दूध प्रोसेसिंग और पैकिंग प्लांट

कच्छ में श्वेत क्रांति आएगी। सरहद डेयरी के साथ जुड़े 55000 पशुपालकों को लाभ होगा। दूध उत्पादकों को नेटवर्किंग का लाभ मिलेगा। बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बनेंगे।

अन्य लोकार्पण

- 765 KV आउटलेट सर्किट भुज पुलिंग सब स्टेशन से भुज-2 सब स्टेशन

अन्य शिलान्यास

- भूमिगत जलनिकासी, गाँधीधाम
- स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत रेलवे अंडरब्रिज LC-4 और LC-5